HINDI

एम.ए. (हिन्दी) पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष

पहला सत्र सेमेस्टर

प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा इसमें 70 अंक सत्रांत परीक्षा व 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

HN 101 CC-1 — प्रथम प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 5

दीर्घ आलोचनात्मक – 3×10=30
लघु उत्तरीय – 4×5=20
वस्तुनिष्ठ – 10×2=20
70

भाषा व लिपि: उद्भव एवं विकास

भाषा : परिभाषा, तत्त्व/अंग, अभिलक्षण

भाषा विज्ञान: परिभाषा एवं स्वरूप, प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ, अध्ययन की दिशाएँ

भाषोत्पत्ति के सिद्धांत, भाषा-परिवर्तन के कारण

ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

लिपि का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, मानकीकरण

हिन्दी भाषा की उद्भव की परम्परा: अपभ्रंश, अवहट्ट, पुरानी हिन्दी

हिन्दी भाषा का विकास: अवधी, ब्रज एवं खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास

खड़ी बोली हिन्दी के साहित्यिक रूपों का विकास : दकनी, उर्दू और हिन्दी

19वीं सदी का हिन्दी आंदोलन और हिन्दी भाषा के स्वरूप का प्रश्न

हिन्दी का मानकीकरण

स्वतंत्रता आंदोलन और हिन्दी

स्वतंत्र भारत की राजभाषा और हिन्दी

राष्ट्रभाषा और हिन्दी की आत्मा

आज की हिन्दी

अनुमोदित ग्रंथ:-

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

Reviewed and modified

2. भोलानाथ तिवारी– भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद

3. बाबूराम सक्सेना– सामान्य भाषा विज्ञान हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

4. उदयनारायण तिवारी– हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास, भारती भंडार, इलाहाबाद

5. सत्य नारायण तिवारी– हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास

6. अनंत चौधरी (सं0)– नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय

7. रामविलास शर्मा– भारत की समस्या, राजकमल प्रकाशन

   " " – भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन

8. भोलानाथ तिवारी– हिन्दी भाषा

9. देवेन्द्रनाथ शर्मा– राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान

10. चंद्रधर शर्मा – पुरानी हिन्दी, काशी ना0 प्र0 सभा, 1948

11. रामचंद्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी ना0 प्र0 सभा, सं0 2035

12. किशोरीदास बाजपेयी– हिन्दी शब्दानुसान, ना0 प्र0 सभा, काशी, सं0 2033

13. नामवर सिंह – हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 1932

14. सुनीति कुमार चटर्जी– भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी, राजकमल, दिल्ली–1947

15. श्रीराम शर्मा– दक्खिनी का गद्य और पद्य, हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद, 1954

16. डॉ0 शीतिकंठ मिश्रा– खड़ी बोली आन्दोलन, ना0 प्र0 सभा, काशी, सं0 2013

17. अय्योध्याप्रसाद खत्री स्मारक– (बिहार राष्ट्रभाषा परिषद), पटना 1960

18. राहुल सांकृत्यायन– मातृभाषाओं का प्रश्न (निबंध) (साहित्य निबंधावली)

क. 'राहुल निबंधावली' में दिल्ली, पी.पी.एच. 1983– हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों का निर्माण (निबंध) आचार्य रघुवीर का परिभाषा निर्माण निबंध

ख. 'क्या करें' में, प्रयाग, 1939 – ख. हिन्दी साहित्य पर एक दृष्टि (निबन्ध)

19. डॉ0 धर्मवीर– हिन्दी की आत्मा, दिल्ली, समता प्रकाशन, 1987

20. अमृत राय– ए हाउस डिवाइडेड (ओ.यू.पी.), 1991

21. क्रिस्टोफर आर.किंग– वन लैंग्वेज, टू स्क्रिप्ट्स, दी हिन्दी मूवमेंट इन नाइण्टीथ सेंचुरी नार्थ इंडिया, ओ.यू.पी. मुम्बई, 1994

22. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना- डॉ० वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना

StudyOrigin.IN

22. वसुधा डालमिया – नेशनलाइजेशन ऑफ हिन्दू ट्रेडीशन भारतेन्दु हरिश्चंद्र एण्ड नाइनटीन्थ सेंचुरी बनारस ओ. यू. पी. दिल्ली, 1997

23. डॉ0 इकबाल अहमद– दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती, इलाहाबाद, 1966

24. राहुल सांकृत्यायन– दक्खिनी हिन्दी काव्यधारा, बिहार, राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1959

25. पॉल आर. ब्रास– लैंग्वेज, रिलीजियन एंड पॉलिटिक्स इन नार्थ इंडिया, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, प्रेस, 1974

26. वीर भारत तलवार– रस्साकशी, सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 2002

27. मीर अम्मन– बागो–बहार, सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 1966

28. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय– आधुनिक हिन्दी साहित्य (1850–1900) लोक भारती, इलाहाबाद, 1998

29. डॉ0 श्रीराम शर्मा: दक्खिनी हिन्दी का उद्भव और विकास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1964

♣♣♣♣♣

StudyOrigin.IN

HN 103 दूसरा प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 4

इतिहास दर्शन, साहित्येतिहासदर्शन व हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की परंपरा

इतिहास ~~क्या है~~ इतिहास–दृष्टि

इतिहास–दृष्टि और साहित्येतिहास ~~लेखन पद्धति~~

~~इतिहास दर्शन और साहित्यिक इतिहास~~

साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धांत : विधेयवाद, मार्क्सवाद और संरचनावाद

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ ~~और विभिन्न इतिहास दृष्टियाँ~~

काल–विभाजन का आधार

साहित्यिक प्रवृतियों का अंतस्संबंध

सामाजिक परिवेश और सांस्कृतिक परंपरा व संदर्भ

इतिहास और आलोचना

हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

~~उत्तर आधुनिकतावाद, नव्य इतिहासवाद, साहित्येतिहास का नारीवादी परिप्रेक्ष्य~~

अनुमोदित ग्रंथः–

1. ई. एच.कार – इतिहास क्या है?
2. नलिन विलोचन शर्मा– साहित्य का इतिहास दर्शन
3. हीगेल– फिलासफी ऑफ हिस्ट्री
4. रामविलास शर्मा– इतिहासदर्शन
5. आर.कलिंगवुड– द आइडिया ऑफ हिस्ट्री
6. आर.कलिंगवुड– हिस्टारिकल इमैजिनेशन
7. जे0 वर्कहार्ड– जजमेंट ऑन हिस्ट्री एंड हिस्टोरियन
8. श्याम ~~परमार~~ (सं0) – हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की समस्याएँ, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली

9. एच.बटरफील्ड– द ह्विग इंटरप्रेटेशन ऑफ हिस्ट्री

10. बर्ट्रेंड रसेल– पोरट्रेट्स ऑफ हिस्ट्री

11. ऐक्टन– हिस्टोरिकल एसेज एंड स्टडीज

12. एम०सी०डी० आर्सी– दि सेंस ऑफ हिस्ट्री; सेकुलर एंड सैक्रेड

13. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास

14. डॉ० नगेन्द्र (सं.)– हिन्दी साहित्य का इतिहास

15. ह० प्र० द्विवेदी– हिन्दी साहित्य की भूमिका

" " – हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास

16. सुधीश पचौरी– उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद

17. गोपीचंद नारंग– संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र

18. मैनेजर पांडेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि

♣♣♣♣♣

हिन्दी विभाग
बी०आर० अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय
मुजफ्फरपुर

StudyOrigin.IN

HN 103 CC-3 तीसरा-प्रश्न पत्र

$3 \times 10 = 30$
$4 \times 5 = 20$
$10 \times 2 = 20$
70

क्रेडिट : 5

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

- हिन्दी साहित्य का आरंभ : कब और कैसे? पूर्ववर्ती साहित्यिक परंपराएँ, आदिकालीन साहित्यिक परंपराएँ, आदिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य, प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- भक्ति आंदोलन के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, दार्शनिक आधार, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंतः प्रादेशिक वैशिष्ट्य, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण
- सगुण और निर्गुण भक्ति का सामाजिक आधार, प्रमुख सगुण-निर्गुण कवि और उनकी रचनाओं में समकालीन समाज का चित्र, भारत में सूफी मत का उदय और विकास, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य, सूफी मत के सामान्य सिद्धांत, संतकाव्य की सामान्य विशेषताएँ
- सगुण और निर्गुण भक्ति काव्य की सामान्य विशेषताएँ, संतकाव्य की सामान्य विशेषताएँ, सूफी काव्य की सामान्य विशेषताएँ, कृष्ण काव्य की सामान्य विशेषताएँ, रामकाव्य की सामान्य विशेषताएँ
- रीतिकाल और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्रोत, दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य, रीतिकाल की विभिन्न काव्यधाराएँ– रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त, प्रमुख कवि और उनका काव्य, रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ

अनुमोदित ग्रंथः–

1. रामचन्द्र शुक्ल– हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य की भूमिका
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिंदी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– हिंदी साहित्य का अतीत (भाग– एक), वाणी विज्ञान, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
6. डॉ० नगेन्द्र (सं०), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी– हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती, इलाहाबाद।
8. नलिन विलोचन शर्मा– साहित्य का इतिहास–दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
9. बच्चन सिंह– हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. मैनेजर पांडेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन दिल्ली।

StudyOrigin.IN

11. अवधेश प्रधान– हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

12. प्रो0 एहतेशाम हुसैन– उर्दू साहित्य का इतिहास, अंजुमन तरक्की–ए–उर्दू, ओन्यू हाउस, नई दिल्ली।

13. वशिष्ठ अनूप– हिन्दी साहित्य का अभिनव इतिहास

14. डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ0 विजयपाल सिंह– साहित्यिक निबंध

15. डॉ0 शंभुनाथ शुक्ल– आदिकालीन हिन्दी साहित्य

16. डॉ0 जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह– कबीर–वाङ्मय : रमैनी

17. डॉ0 जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह– कबीर–वाङ्मय : सबद

18. डॉ0 जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह– कबीर–वाङ्मय : साखी

19. डॉ0 नागेन्द्रनाथ उपाध्याय– गोरखनाथः नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में

20. डॉ0 वासुदेव सिंह– हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन

21. आचार्य रामचन्द्र तिवारी – मध्ययुगीन काव्य साधना

22. डॉ0 नागेन्द्रनाथ उपाध्याय– बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य

23. डॉ0 शिवनारायण सिंह– रीतिकालिन वीर–काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन

24. शिव कुमार मिश्र– भक्तिकाव्य और लोकजीवन

25. के. दामोदरन– भारतीय चिंतन परंपरा

26. प्रेमशंकर– भक्तिकाव्य की भूमिका

27. विश्वनाथ त्रिपाठी– हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

♣♣♣♣♣

हिन्दी विभाग
बी.आर. अम्बेडकर बिहार वि.वि.
मुजफ्फरपुर

StudyOrigin.IN

MHN 104 CC-4 चतुर्थ चौथा प्रश्न पत्र

प्रश्नोत्तर 3×10=30
व्याख्या 4×5=20
वस्तुनिष्ठ 10×2=10
70

क्रेडिट : 5

आरंभिक हिन्दी कविता

चंदबरदाई– पृथ्वीराज रासो, सं० ह० प्र० द्विवेदी एवं नामवर सिंह

अब्दुर्रहमान– संदेश रासक, सं० ह०प्र० द्विवेदी एवं विश्वनाथ त्रिपाठी

~~जायसी– पद्मावत, सं० वासुदेवशरण अग्रवाल (नागमती सुआ खंड, नागमती वियोग खंड, पद्मावती–नागमती सती खंड)~~

विद्यापति– विद्यापति की पदावली, सं० रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

कीर्तिलता, सं० वीरेन्द्रनाथ श्रीवास्तव

अमीर खुसरो : चयनित 40

अनुमोदित पुस्तक–सूची

1. पृथ्वीराज रासो, सं० हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. पृथ्वीराज रासो की भाषा, नामवर सिंह
4. पृथ्वीराज रासो, सं० माता प्रसाद गुप्त
5. विद्यापति, शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
6. कीर्तिलता और विद्यापति का युग, अवधेश प्रधान, वि०वि० प्रकाशन, वाराणसी
7. जायसी ग्रंथावली, भूमिका, सं० रामचन्द्र शुक्ल
8. जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
9. चंदबरदाई, शांता सिंह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
10. पद्मावत, सं० माताप्रसाद गुप्त
11. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय, पीताम्बर बड़थ्वाल
12. Mithila in age of Vidyapati, Radha Krishna Chaudhary Varanasi, 1976
13. मध्ययुगीन प्रेमाख्यानक काव्य, नित्यानंद तिवारी
14. हिन्दी काव्य की निर्गुणधारा में भक्ति, श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी
15. सूफीमत : साधना और साहित्य, रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी

*****

10/5/18 10.5.18 10.5.17 10/5/2016 10/5/2018